M.A. Sem-1

Paper-III (Neuropsychology)

Topic — Lobular Syndromes

Occipital Lobe Syndrome (पश्चकपाल पालि संलक्षण)

मानव मस्तिष्क तन्त्रिकातंत्र का सबसे बड़ा तथा सबसे महत्वपूर्ण भाग है। मानव मस्तिष्क का ही भाग बृहद मस्तिष्क (Cerebrum) है जिसकी संरचना एवं कार्य काफी जटिल एवं महत्वपूर्ण है। बृहद मस्तिष्क एक विशेष दरार जिसे Longitudinal fissure कहते हैं, द्वारा दो गोलार्द्धों में विभाजित है — दायाँ गोलार्द्ध (Right hemisphere) एवं बायाँ गोलार्द्ध (Left hemisphere)। दोनों गोलार्द्धों के ऊपर तंत्रिका कोशिकाओं का एक पतला आवरण होता है जिसे Cerebral cortex कहते हैं। मस्तिष्क के दोनों गोलार्द्ध तंत्रिका तन्तु के एक विशेष गुच्छे से जुड़े होते हैं जिसे corpus callosum कहते हैं। प्रत्येक गोलार्द्ध में दो दरारें होती हैं जिसे fissure of Rolando या Central sulcus तथा fissure of Sylvius या Lateral fissure कहते हैं। इन दोनों दरारों के आधार पर मस्तिष्क प्रत्येक गोलार्द्ध चार पालियों में बंट जाता है जिसे अग्र पालि (Frontal lobe), पार्श्व-पालि (Parietal lobe), शंख पालि (Temporal lobe) तथा पश्चकपाल पालि (occipital lobe) कहते हैं।

मस्तिष्क के इन चारों पालियों की संरचनाओं तथा कार्य में किसी प्रकार की क्षति अथवा कोई असामान्यता उत्पन्न होने से जो लक्षण उत्पन्न होते हैं उन्हें पालिय संलक्षण (Lobular Syndrome) कहा जाता है। पश्चकपाल पालि केन्द्रीय दरार के पीछे स्थित होती है। पश्चकपाल पालि मुख्य रूप से दृष्टि प्रत्यक्षीकरण से सम्बन्धित होती है। पश्चकपाल पालि में अपना किसी-न-किसी प्रकार की क्षति से [illegible] Cortex की कोशिका-संरचना की विभिन्नता के आधार पर Broadmann ने सम्पूर्ण cortex को 44 विभिन्न क्षेत्रों में बाँटा है। पश्चकपाल पालि को Broadmann ने क्षेत्र संख्या 17, 18 एवं 19 निर्धारित किया है। 17 मुख्य दृष्टि क्षेत्र कहलाता है और इस क्षेत्र में Retina से दृष्टि आवेग पहुँचते हैं। 17 क्षेत्र संख्या 18 से जुड़ा होता है और क्षेत्र संख्या-18 क्षेत्र संख्या-19 से जुड़ा होता है। क्षेत्र संख्या-18 को [illegible] पार्श्व पालि (Parietal Lobe) [illegible] दृष्टि संवेदनाओं के [illegible] एवं विश्लेषण का कार्य होता है।

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

ਖੇਤਰ ਸੰਖਿਆ-19 ਦਾ ਸਮਾਵੇਸ਼ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ-ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਤਥਾ ਆਮ ਸੰਵੇਦੀ ਨਹੀਂ ਉਤਪਾਦ ਸੂਚਨਾਵਾਂ ਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਸੂਚਨਾਵਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਸਮਾਕਲਿਤ ਕਰਨ ਦਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਪਸ਼ਚਕਪਾਲ ਪਾਲਿ ਖੰਡ ਨੂੰ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ-ਪ੍ਰਤੱਖੀਕਰਨ ਦੇ ਸਮਬੰਧਿਤ ਅਨੇਕਾਂ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਅਸਮਾਨਤਾਈਆਂ ਵੇਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਿਹਨਾਂ ਨਿਮਨਲਿਖਤ ਕਾਫ਼ੀ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹਨ:—

① ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਦੀ ਅਨਿਯਮਿਤਤਾਵਾਂ (Irregularities in Visual Perception) :— ਪਸ਼ਚਕਪਾਲ ਪਾਲਿ ਦੇ ਖੇਤਰ ਸੰਖਿਆ-17 ਦੇ ਖ਼ਰਾਬ-ਉਤਪੰਨ ਹੋਣ ਤੇ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਦੇ ਸਮਬੰਧਿਤ ਅਨੇਕ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਗੜਬੜੀਆਂ ਉਤਪੰਨ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜਿਹਨਾਂ Visual location, Visual orientation, depth perception ਤਥਾ ਰੰਗ ਦੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਦੇ ਸਮਬੰਧਿਤ ਕਾਫ਼ੀ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਗੜਬੜੀਆਂ ਹਨ। ਦੇ ਵਿੱਚ ਰੋਗੀ ਦੀ ਪਹਿਚਾਨ ਨਹੀਂ ਕਰ ਪਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਦਾਹਰਣ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਪ੍ਰਯੋਗਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਯਹ ਪਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ। Hubel & Wiesel(1959) ਨੇ ਆਪਣੇ ਅਧਿਐਨ ਵਿੱਚ ਪਾਇਆ ਕਿ ਜਦ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਖੇਤਰ (ਖੇਤਰ ਸੰਖਿਆ-17) ਖ਼ਰਾਬ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤੋ ਵਿਅਕਤੀ ਉਸ ਵਸਤੂ ਦੀ Spatial orientation ਅਰਥਾਤ ਸਾਮਾਨਯ ਵਸਤੂ ਦੀ ਪਹਿਚਾਨ (ਸਹੀ-ਗ਼ਲਤ) ਨਹੀਂ ਕਰ ਪਾਂਦਾ ਹੈ। ਕੁਝ ਹੋਰ ਅਧਿਐਨਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਯਹ ਪ੍ਰਮਾਣਿਤ ਹੋ ਗਯਾ ਹੈ ਕਿ ਦ੍ਵਿਪਾਰਸ਼ਵਿਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਪਸ਼ਚਕਪਾਲ Parieto-occipital lesion ਉਤਪੰਨ ਹੋਣ ਤੇ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਦਾ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਗੜਬੜਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਜਦ Visual association cortex ਦੇ ਨਿਚਲੇ ਭਾਗ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਤੋ ਵਿਅਕਤੀ ਰੰਗ ਦਾ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਕਰਨ ਦੇ ਯੋਗ ਨਹੀਂ ਰਹਿੰਦਾ, ਤਥਾ depth perception ਵੀ ਸਾਮਾਨਯ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਉਦਾਹਰਣ ਸਰੂਪ ਰੰਗ ਦਾ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਸਮਾਪਤ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕੇਵਲ Grey ਦਾ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਅਵਸਥਾ ਨੂੰ achromatopsia ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

② ਪ੍ਰਮਸਤਿਸ਼ਕੀਯ ਅੰਧਾਪਨ-(Cerebral blindness) :— ਪ੍ਰਮਸਤਿਸ਼ਕੀਯ ਅੰਧਾਪਨ—ਮੇਂ ਰੋਗੀ ਦਾ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ Posterior cerebral artery ਸੰਕੀਰਣ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਨਾਲ ਦੋਨੋਂ ਗੋਲਾਰਧਾਂ ਦੇ ਪਿਛਲੇ ਹਿੱਸੇ ਦੇ Visual cortex ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਤੇ ਅਨੁਰੂਪ ਕਾਰਜ ਬਾਧਿਤ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਅਨੁਰੂਪ ਕਾਰਜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਤਦ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ cortex ਤੇ ਵੀ ਕਾਰਜ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ Cortical blindness ਵੀ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਅੰਧਾਪਨ ਉਤਪੰਨ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਰੋਗੀ ਦੇ ਕੁਝ ਸੰਕੇਤ ਤਥਾ ਵਸਤੂਆਂ ਦੀ ਪਹਿਚਾਨ ਵੀ ਕਦੀ-ਕਦੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਆਮ ਤੌਰ ਤੇ ਰੋਗੀ ਦੀ ਦੇਖਣ ਦੀ ਸਮਰੱਥਾ ਕੁਝ ਦਿਨਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰਾਯ: ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ cortex ਦੇ ਖ਼ਰਾਬ ਹੋਣ ਤੇ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਅੰਸ਼ਿਕ ਅੰਧਾਪਨ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਕਾਰਜ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੇ। ਇਸੇ ਅੰਸ਼ਿਕ cortical blindness ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

③ Visual Agnosia :— Visual Agnosia ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਖੇਤਰ ਦੇ ਇਕ ਐਸੀ ਅਨਿਯਮਿਤਤਾ ਹੈ ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀ ਕਿਸੇ ਵਸਤੂ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਤੋਂ ਉਸ ਦਾ

Scanned with CamScanner

मूलतः ग्रीक शब्द है जो किसी वस्तु के पहचानने की असमर्थता उत्पन्न हो जाती है। सबसे पहले Sigmund Freud (1891) ने Agnosia पद का ~~[illegible]~~ प्रतिपादन किया और कहा कि Agnosia व्यक्ति की एक ऐसी स्थिति है जहाँ पर दृष्टि वस्तुओं के बारे में कुछ जानकारी नहीं हो पाती है किन्तु सामान्य [illegible] की अनुपलब्धता होती थी। [illegible] वैज्ञानिक उपचारात्मक [illegible] जर्मन न्यूरोलॉजिस्ट Heinrich Lissauer द्वारा किया गया। इन्होंने Agnosia के दो प्रकार बताया – apperceptive agnosia तथा associative agnosia. जब व्यक्ति अपने प्रत्यक्षण में विकार के कारण दृष्टि वस्तुओं की पहचान नहीं कर पाता है तो इस स्थिति को apperceptive agnosia कहा जाता है। Associative agnosia में व्यक्ति दृष्टि वस्तु या उसके वर्णन से अपने आप [illegible] पता लगा लेता है किन्तु apperceptive agnosia उस [illegible] उत्पन्न होता है जब व्यक्ति किसी वस्तु को देखकर उसे एक [illegible] प्रत्यक्ष वस्तु के रूप में [illegible] कर लेता है परन्तु वह अपने उस [illegible] से उस वस्तु का व्यक्ति [illegible] [illegible] उस वस्तु को एक अर्थ [illegible] नहीं कर पाता है, जिससे आधार पर [illegible] [illegible]

मनोवैज्ञानिकों तथा neurologists द्वारा agnosia के उपर्युक्त सामान्य प्रकार के अतिरिक्त कुछ अन्य प्रकारों की भी व्याख्या की है [illegible] दृष्टि [illegible] किसी न किसी प्रकार की [illegible] [illegible] विभिन्न प्रकारों में से [illegible] महत्वपूर्ण है – Visual object agnosia, Simultaneous agnosia, Visual spatial agnosia, Prosopagnosia, Colour agnosia और agnostic alexia.

ⓐ Visual object agnosia (दृष्टि वस्तु) – [illegible] [illegible] [illegible] वस्तुओं को देखकर पहचान नहीं पाता है [illegible] [illegible] पहचान [illegible] होता है। [illegible] मनोवैज्ञानिकों ने अपने [illegible] के आधार पर यह बताया कि जब दृष्टि भाग के lateral भाग में [illegible] होती है तो visual object agnosia उत्पन्न होता है (Kleist, 1934)। अन्य कुछ मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि left occipital lobe तथा corpus callosum के पिछले भाग में क्षति होने से व्यक्ति में इस प्रकार के लक्षण उत्पन्न होते हैं (Nielsen, 1937)।

ⓑ दूसरे प्रकार का agnosia simultanagnosia है। इस agnosia से ग्रसित व्यक्ति एक ऐसी स्थिति में होता है जिसमें व्यक्ति एक समय में उद्दीपक के एक से अधिक पहलू का प्रत्यक्षण नहीं कर पाता है। जब व्यक्ति किसी वस्तु या उद्दीपक को देखता है तो उसके [illegible] उत्पन्न [illegible] [illegible] किसी व्यक्ति वस्तु के एक ही पहलू को [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] करता है।

Scanned with CamScanner

अलग-अलग किसी वस्तु के कई पहलू उसके सामने उपस्थित रहते हैं। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो जाता है कि इस तरह के agnosia का कारण occipital lobe में क्षति उत्पन्न होना है।

(c) Prosopagnosia का सर्वप्रथम प्रतिपादन Bodamer (1947) ने किया जो उनका नामकरण चेहरों के agnosia है। इस लक्षण में व्यक्ति यह तो पहचान पाता है कि यह किसी व्यक्ति का चेहरा है लेकिन वह यह नहीं बता पाता है कि चेहरा किसका है। Prosopagnosia के अध्ययनों से यह स्पष्ट हो जाता है कि ... के medial surface पर bilateral temporo-occipital तथा occipital lesion होती है। अन्य अध्ययनों से स्पष्ट हो जाता है कि ऐसे रोगियों के दोनों ... के रोगियों में lingual तथा fusiform gyri के क्षेत्र में क्षति पहुँचती है। Gloning et al. (1970) ने Prosopagnosia ...

(d) Colour agnosia ... रोगी का रंग पहचानने ... Colour agnosia ... visual agnosia for colour ... Warrington (1964, 1977) ने अपने अध्ययनों के ... Kinsbourne & Warrington ... dominant hemisphere ... agnosic का कारण ...

(e) Agnosic Alexia एक ऐसा लक्षण है जिसमें रोगी को लिखित शब्दों एवं अक्षरों को पढ़ने में कठिनाई होती है। इसे blindness, word form alexia, pure alexia, pure word blindness, alexia without agraphia भी कहा जाता है। Agnosic alexia में रोगी dictation देने पर लिख सकता है परन्तु वह लिखे गए शब्दों को पढ़ नहीं पाता है ... Walsh & Hoyt (1969) ने यह बताया कि agnosic alexia corpus callosum का ... तथा splenium में posterior cerebral arteries ... agnosic alexia का ... विशेष ... होता है।

Scanned with CamScanner

Faglioni et al. (1968) ने भी अपने अनुसंधान के आधार पर यह बताया कि इस संलक्षण की उत्पत्ति में बायें गोलार्द्ध के अतिरिक्त दायें गोलार्द्ध के [illegible] भागों में [illegible] की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस प्रकार के संलक्षण में इन दोनों गोलार्द्धों के भागों में [illegible] के साथ association की [illegible] पायी जाती है।

इस प्रकार उपरोक्त विवरण से यह स्पष्ट होता है कि [illegible] संलक्षण के अन्तर्गत अनेक प्रकार की [illegible] परिलक्षित होती हैं और इस तरह का [illegible] उसके भागों में [illegible] होती है।